19-06-2020

चीनी उद्योग पर भी कोविड-19 का असर

नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट के ई-सेमिनार में बोले विशेषज्ञ

कानपुर। कोविड-19 महामारी का असर चीनी के देशी व वैश्विक कारोबार पर भी पड़ा है। चालू वर्ष में वैश्विक स्तर पर चीनी की मांग के कारण चीनी उत्पादन में 69 मिलियन टन की कमी आने की संभावना है। इसके विपरीत भारत में चीनी उत्पादन इस वर्ष भी अधिकतम होने की संभावना है, लेकिन खपत में भारी कमी संभावित है। इससे चीनी उद्योग की मुश्किलें बढ़ेंगी।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के सेमिनार में बोलते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन व इंटरनेशनल शुगर ऑर्गनाइजेशन के विस्टर पीटर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा कोविड-19 के दौरान चीनी बाजार एवं चीनी की खपत विषय पर आयोजित ई-सेमिनार में इंटरनेशनल शुगर ऑर्गनाइजेशन लंदन के वरिष्ठ अर्थशास्त्री पीटर डी क्लार्क ने कहा कि कोविड-19 के कारण दुनियाभर में चीनी उत्पादन कम होने के साथ ही मांग में कमी दर्ज की गई है। भारत इस स्थिति का लाभ चीनी निर्यात बढ़ाकर उठा सकता है। उन्होंने कहा कि सऊदीअरब, मिस्र एवं इंडोनेशिया जैसे देशों में चीनी निर्यात की संभावना बढ़ सकती है।

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि कोविड-19 संकट के कारण सामाजिक कार्यक्रमों पर रोक व प्रतिबंध तथा होटल रेस्टोरेंट आदि पर प्रतिबंधों के चलते चीनी की खपत काफी कम हुई है व आगे भी संकट जारी रहने के कारण खपत बढ़ने की संभावना कम ही है। इस हालात को देखते हुए चीनी उद्योग को विभिन्न मूल्य वर्धित उत्पादों को बनाने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि चीनी मिलों को हल्दी, दालचीनी, अदरक, तुलसी युक्त गुड़ एवं गन्ना के रस से रोग प्रतिरोधी प्राकृतिक पेय पदार्थों के निर्माण व विपणन की ओर ध्यान देना चाहिए। इससे चीनी की खपत में कमी की भरपाई कर चीनी मिल लाभ हासिल कर सकेंगे। निजलिंगप्पा शुगर संस्थान बेलगावी के निदेशक आरबी खंडगावे ने कहा कि कोविड-19 के कारण वैश्विक स्तर पर चीनी खपत में 5 से 10 फीसद की कमी संभावित है। उन्होंने चीनी मिलों द्वारा चीनी को सुरक्षित पैकेजिंग किए जाने पर जोर दिया।

कोरोना से चीनी का उत्पादन और खपत घटे

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में चीनी का बाजार और खपत विषय पर आयोजित वेबिनार में बताया गया कि कोरोना के कारण चीनी का 69 लाख टन उत्पादन कम होने के संकेत मिल रहे हैं। साथ ही होटल, रेस्टोरेंट आदि बंद हो से भी खपत में कमी आई है। ऐसे में चीनी की कीमतें भी कम होंगी। भारत में इस बार अधिक उत्पादन की संभावना व्यक्त की गई। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि ऐसे में चीनी मिलें हल्दी, दालचीनी, अदरक तुलसीयुक्त गुड़ और गन्ने के रस को रोग प्रतिरोधी बोतल में पैक कर पेय पदा के रूप में तैयार करें। इंटरनेशनल शुगर आर्गेनाइजेशन, लंदन के वरिष्ठ अर्थशास्त्री पीटर डी क्लार्क ने भी संबोधित किया।